पाठ्यपुस्तक (क्षितिज भाग-2) के प्रश्नोत्तर

1 परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? **CBSE 2013**

उत्तर *धनुष टूटने पर जब परशुराम ने क्रोध प्रकट किया, तब लक्ष्मण ने निम्नलिखित तर्क दिए*

- हम तो इस धनुष को अन्य धनुषों के समान साधारण धनुष समझ रहे थे।
- मेरी समझ के अनुसार तो सभी धनुष एक समान ही होते हैं।
- यह धनुष तो पुराना होने के कारण श्रीराम के छूने मात्र से ही टूट गया। इसमें उनका कोई दोष नहीं।
- हम धनुष को तोड़ने में लाभ-हानि नहीं देखते।
- बचपन में हमसे कितने धनुष टूटे, परंतु आपने उन पर कभी क्रोध नहीं किया। इस विशेष धनुष पर आपकी क्या ममता है?

2 परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुईं, उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए। **CBSE 2013, 12, 09**

अथवा 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर राम और लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए। **CBSE 2016, 11**

अथवा 'धनुष को तोड़ने वाला कोई तुम्हारा दास होगा'—के आधार पर राम के स्वभाव पर टिप्पणी कीजिए। **CBSE 2017**

उत्तर *राम-लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ*

राम राम स्वभाव से कोमल और विनयशील हैं। उनके मन में बड़ों के प्रति श्रद्धा और आदर है। वे गुरुजनों के सामने झुकना अपना धर्म समझते हैं। वे महाक्रोधी परशुराम के बिना बात क्रोधित होने पर भी स्वयं को उनका दास कहते हैं। उनके वचन अग्नि में जल के समान शीतल थे। इस प्रकार, वे परशुराम का भी दिल जीत लेते हैं।

लक्ष्मण लक्ष्मण, राम से एकदम विपरीत स्वभाव के हैं। वह जल्द ही क्रोधित हो जाते हैं। उनके कड़वे वचनों ने परशुराम के क्रोध को और अधिक भड़का दिया। यहाँ तक कि सभा के लोग भी उनके व्यवहार को अनुचित कहने लगते हैं। लक्ष्मण के वचन अग्नि में घी के समान हैं। लक्ष्मण वीर, साहसी और निडर हैं, इसलिए परशुराम के क्रोध और फरसे से वह नहीं डरते। बावजूद इसके लक्ष्मण अपने अग्रज राम का आदर करते हैं और उन पर आई विपदा का सामना स्वयं करने के लिए तैयार रहते हैं। साथ-ही-साथ वह अपने कुल की लोक-मर्यादाओं का भी पालन करने वाले हैं।

class 10 th sub Hindi date 4/5/20 learn and write In fair notebook